



**फार्म**

**प्रथम नियुक्ति के समय अवल सम्पत्ति का विवरण, वर्ष २०**

1. अधिकारी/कर्मचारी का (या) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें वह हो **डॉ. वी. मूलचन्दानी** 2. वर्तमान धारित पद **डी.ए.**  
 3. वर्तमान वेतन **रु० 23160/-** मूल वेतन अगली वेतनवृद्धि की तारीख **01.7.2010**

जिस जिले, उप-संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम जिसमें सम्पत्ति स्थित हो	संपत्ति का नाम तथा ब्यौरे		**वर्तमान मूल्य	यदि स्वयं के नाम पर न हो तो बतलाइये कि वह किसके नाम पर धारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से क्या संबंध है	उसे किस प्रकार अर्जित किया गया ***खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, भेंट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम तथा ब्यौरे	संपत्ति से वार्षिक आय	अधियुक्ति
	घर तथा अन्य भवन	भूमि					
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
भोपाल	भवन म० प्र० गुरु निवास मण्डल द्वारा 50 एकर (50x80) पर सन 2003 में भवन का निर्माण किया जाया।	एकर स्वामी प्लॉट ग्राम स्वामी वरी भोपाल वर्ष 1984 ई. प्लॉट द्वारा दिया गया था।	म. इ. गुरु निवास मण्डल पर 50 एकर पर भवन निर्माण 2003 में 50 लाख लाभ (लगभग) प्राप्त है द्वारा प्राप्त जाया।	-	स्वयं ही कपड़ एवं पिना इत सारा संपत्ति दिए जाने धन से अर्जित किया गया।	कोई नहीं स्वयं निर्वास 50 ए	-

\* यहां लागू न हो कर दीजिए।  
 \*\* इसी मामले में जहां मूल्य का सही-सही विवरण करना संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति के संदर्भ में लगभग मूल्य बतलाया जाए।  
 \*\*\* इसमें अन्यथा होने परटे की सम्मिलित है।  
 टिप्पणी: अध्यादेश शासकीय सेवा (आचार्य) वि० सं० 1984 के नियम 12(3) के अन्तर्गत प्रथम वेतन, द्वितीय वेतन तथा तृतीय वेतन सेवा के प्रत्येक सदस्य को  
 उपलब्ध है कि वह सेवा में अपनी नियुक्ति के समय और उसके बाद प्रत्येक बार पहली की अवधि के समाप्त पर या पदोन्नति पर या पद  
 छोड़ने पर या उसके प्रस्थान की तथा उसके द्वारा अर्जित अथवा उसे विरासत में मिली या उसके अपने पार या या उसके परिवार के किसी सदस्य  
 या या किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर परटे या पदोन्नति या उसके द्वारा धारित समस्त अवल सम्पत्ति के ब्यौरे हैं।

हस्ताक्षर **डॉ. वी. मूलचन्दानी**  
 नाम **डॉ. वी. मूलचन्दानी**  
 पद **डी.ए.**

फार्म

\*प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्पत्ति का विवरण, वर्ष २०

वैशालिक

1. अधिकारी/कर्मचारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें वह हो डॉ. वीरेन्द्र धीवारस्तव 2. वर्तमान धारित पद

3. वर्तमान वेतन ..... अगली वेतनवृद्धि की तारीख 1/1/2011 .....

जिले, उप-संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, जिसमें सम्पत्ति स्थित हो	संपत्ति का नाम तथा ब्यौरे		**वर्तमान मूल्य	यदि स्वयं के नाम पर न हो तो बतलाइये कि वह किसके नाम पर धारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से क्या संबंध है	उसे किस प्रकार अर्जित किया गया ***खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, भेंट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम तथा ब्यौरा	संपत्ति से वार्षिक आय	अभियुक्ति
	गृह तथा अन्य भवन	भूमि					
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
जिला भोपाल पूनाभट्टी कोलार रोड भोपाल	गृह निवास	X	22 लाख	पत्नी के नाम के साथ	भूखण्ड लेकर बैंक से धृण लेकर बनवाया	X	X

- \* जहां लागू न हो काट दीजिए।
- \*\* ऐसे मामले में जहां मूल्य का सही-सही निर्धारण करना संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मूल्य बतलाया जाए।
- \*\*\* इसमें अल्पकालीन पट्टे भी सम्मिलित हैं।

टिप्पणी : मध्यप्रदेश शासकीय सेवक (आचरण) नियम, 1954 के नियम 18(3) के अधीन प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी तथा तृतीय श्रेणी सेवा के प्रत्येक सभ्य से यह अपेक्षित है कि वह सेवा में पहली नियुक्ति के समय और उसके बाद प्रत्येक बारह महीने की अवधि के पश्चात् यह घोषणा-पत्र भर कर प्रस्तुत करें और उसमें वह उनके स्वामित्व की तथा उसके द्वारा अर्जित तथा उसे विरासत में मिली या उसके अपने नाम पर या उसके परिवार के किसी सदस्य के नाम पर या किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर पट्टे या बंधक पर धारित समस्त अचल सम्पत्ति के ब्यौरे दें।

हस्ताक्षर [Signature]  
 नाम Dr. V. Shrivastava  
 पद वैशालिक